काई का गुरूजी तंबूरा बनाया देसी भजन लिरिक्स

काई का गुरूजी तंबूरा बनाया,
तंबूरा बनाया,
काई का बनाया मंजीरा,
ओ साधा जी,
हिल मिल रहना भाया,
हस मुख रहना भाया,
के गाया गम वाली वाणी,
ओ साधा जी।bd।

काया रे गढ़ रा तंबूरा बनाया,
तंबूरा बनाया,
सत रे धरम रा मंजीरा,
ओ साधा जी,
हिल मिल रहना भाया,
हस मुख रहना भाया,
के गाया गम वाली वाणी,
ओ साधा जी।bd।

काई का गुरु जी तार चढ़ाया,
तार चढ़ाया,
काई का रूपाया गाडा मोरना,
ओ साधा जी,
हिल मिल रहना भाया,
हस मुख रहना भाया,
के गाया गम वाली वाणी,
ओ साधा जी।bd।

पांच तत्व रा तार चढ़ाया,
तार चढ़ाया,
मन का रूपाया गाडा मोरना,
ओ साधा जी,
हिल मिल रहना भाया,
हस मुख रहना भाया,
के गाया गम वाली वाणी,
ओ साधा जी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

टूटोडी नाव दाता समदा में राली,
समदा में राली,
कोन पुरुष वामे बैठे,
हिल मिल रहना भाया,
हस मुख रहना भाया,
के गाया गम वाली वाणी,
ओ साधा जी।bd।

सिल संतोक ने बेठन वाला,
बैठन वाला,
अलख पुरूष वाने हाके,
ओ साधा जी,
हिल मिल रहना भाया,
हस मुख रहना भाया,
के गाया गम वाली वाणी,
ओ साधा जी।bd।

गादी ओ बैठ जति गोरख बोल्या,
गोरख बोल्या,
के गया उगम वाली वाणी,
ओ साधा जी,
हिल मिल रहना भाया,
हस मुख रहना भाया,
के गाया गम वाली वाणी,
ओ साधा जी।bd।

काई का गुरूजी तंबूरा बनाया,
तंबूरा बनाया,
काई का बनाया मंजीरा,
ओ साधा जी,
हिल मिल रहना भाया,
हस मुख रहना भाया,
के गाया गम वाली वाणी,
ओ साधा जी।bd।

प्रेषक – सोहन लाल बुनकर।
8003131735

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com